

कर लो-कर लो-रेवा के गुनगान  
 समय को<sup>sss</sup> का कहने  
 समय को का कहने<sup>sss</sup> समय को का कहने<sup>sss</sup>

कर लो-कर लो-----

घर बैठे जो आ गई<sup>sss</sup> ऊँचो तेरो भाग<sup>sss</sup>  
 अब लो बन्दे चेत जा<sup>sss</sup> भोर भई तें जाग<sup>sss</sup>  
 आज कर लो-आज कर लो-रेवा को मान

समय को-----

कर लो-कर लो-----

चटक-मटक की चांदनी<sup>sss</sup> कहु समय चल जाय<sup>sss</sup>  
 निकसो हंसा देह से<sup>sss</sup> हाड़-मांस जल जाय<sup>sss</sup>  
 मेरी बातों पे-मेरी बातों पे-दैयो ध्यान-

समय को-----

कर लो-कर लो-----

करनी पूरब की हती<sup>sss</sup> जे से मिलबे आई<sup>sss</sup>  
 तनकन मानी बावरे<sup>sss</sup> ये से जे घबर आई<sup>sss</sup>  
 काये पाओने-काये पाओने-तेने ज्ञान-

समय को-----

कर लो-कर लो-----

कदु दिनों को साथ है<sup>sss</sup> प्रेमई भाव बढ़ाव<sup>sss</sup>  
 अपनी गुरुसा द्वाड़े<sup>sss</sup> घर खों स्वर्ग बनाव<sup>sss</sup>  
 बैठो संगत में बैठो संगत में ले-लो निदान-

समय को-----

करलो-करलो-----

बात जो मेरी मान लो<sup>sss</sup> सहज भाव हो जाव<sup>sss</sup>  
 रहें संग रेवा तेरे<sup>sss</sup> मेहनत के फल पाव<sup>sss</sup>  
 मिल है सबसे मिल है सबसे तुम्हें सम्मान<sup>sss</sup>

समय को-----

करलो-करलो-----

उब "श्री बाबा श्री" कै सो करे<sup>sss</sup> कदु समझन आय<sup>sss</sup>  
 रोज विधि करवे कही<sup>sss</sup> सुनतई से बौराय<sup>sss</sup>  
 मिट जेहे. मिट जेहे विधि को विधान-

समय को-----

करलो-करलो-----